आगरा–लखनऊ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे के परियोजना परामर्शी के लिए दो बिडर्स ने आवेदन किया

लखनऊ, 10 दिसम्बर 2012:

प्रदेश सरकार के प्रस्तावित आगरा–लखनऊ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे के लिए परियोजना विकास परामर्शी हेतु दो निविदाकर्ताओं ने आवेदन किया है। ये निविदाकर्ता हैं– **मे0 फीडबैक इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज़ प्रा. लि. एवं मे0 रेडिकॉन (इण्डिया) प्रा. लि. का कॉन्सोर्टियम** तथा **मे0 एजिस इण्डिया कन्सल्टिंग इंजिनीयर्स प्रा. लि. एवं अर्नस्ट एण्ड यंग प्रा लि. का कॉन्सोर्टियम**। यह आठ लेन का ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे **न्यूनतम दूरी के फॉर्मूले** के अनुसार **सार्वजनिक निजी सहभागिता** के माध्यम से विकसित किया जायेगा। इस 270 कि0मी0 लम्बे एक्सप्रेस–वे के बन जाने से आगरा से लखनऊ के मध्य त्वरित एवं सुविधाजनक परिवहन सम्भव हो सकेगा।

दोनों बिडर्स द्वारा आज यहाँ **अवस्थापना एवं औद्योगित विकास आयुक्त (आईआईडीसी), अनिल कुमार गुप्ता** की अध्यक्षता में **परामर्शी मूल्यांकन समिति** के समक्ष विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतिकरण किया गया। इसमें आवेदकों द्वारा एक्सप्रेस–वे व सड़क परियोजनाओं के विकास हेतु परामर्शी अनुभव एवं कार्य के समयबद्ध निष्पादन के लिए प्रस्तावित विधि पर प्रकाश डाला गया।

उत्तर प्रदेश के अवस्थापना एवं औद्योगित विकास आयुक्त, श्री अनिल कुमार गुप्ता ने कहा, ***"आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे प्रदेश सरकार की प्राथमिक परियोजनाओं में से एक है, अतः इसके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए अनवरत् व प्राथमिकता के आधार पर प्रयास किया जा रहा है।"***

ज्ञात हो कि इस परियोजना के लिए कॉन्सेप्ट रिपोर्ट पहले ही तैयार की जा चुकी है। इस **पी0पी0पी0 एक्सप्रेस–वे परियोजना** की **राज्य क्रियान्वयन संस्था तथा नोडल एजेन्सी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रीयल औथॉरटी (यूपीडा)** है।

यूपीडा के सी0ई0ओ0 श्री मुकुल सिंघल ने बताया कि तकनीकी निविदाओं का मूल्यांकन एक सप्ताह में पूरा कर परामर्शी के चयन के लिए वित्तीय निविदाएं खोली जाएंगी।

चयनित परामर्शी को एक्सप्रेस–वे परियोजना व सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक सम्भाव्यता (फिज़ीबिलिटी) रिपोर्ट , विभिन्न अध्ययन व सर्वे आदि को तैयार करना होगा।

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से इस एक्सप्रेस–वे के साथ साथ बड़ी संख्या में पेड लगाये जायेंगें साथ ही वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए उचित कदम उठाये जायेंगे। किसी भी प्रकार के ध्वनी अथवा वायू प्रदूषण को रोकने के लिए एक्सप्रेस–वे के किनारे ईको–फ्रेन्डली पार्क विकसित किये जायेंगें तथा नई झिलें तथा तालाब भी बनाये जायेंगे।

———————————————